

फलों से सम्बन्धित



केला

- केला का वानस्पतिक नाम - मूसा पैराडिसियाका
- कुल - मुर्जेसी * उत्पाति स्थान - द०.पू० एशिया
- किस्में - पूवन, बसराई, सफेद बेल्ली, हरी डाल
- रोग - पनामा, बन्ची टॉप, सींगारोका
- कृत्रिम रूप से पकाने के लिए - इथेन
- राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र - त्रिची (तमिलनाडु)

- तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश
- | | |
|---------------|-------------|
| 1. तमिलनाडु | 1. भारत |
| 2. महाराष्ट्र | 2. चीन |
| 3. गुजरात | 3. फिलीपींस |

आम

- वानस्पतिक नाम - मेंडीकेरा इण्डिका
- कुल - रूनाकार्डिसी उत्पाति स्थान - इण्डो वर्मा
- किस्में - आम्रपाली, निरधन (बेमौसम किस्म) लंगड़ा, नीलम
- बीज रहित प्रजाति - मालिका, सिन्धु
- निर्यातक किस्में - हाफुस, केसर, गुलाब स्वास, अलकांसो
- हानिकारक कीट - मिली बाग
- आन्तरिक अकल क्षयरोग - बोरोन की कमी से

- तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश
- | | |
|----------------|------------|
| 1. म० प्र० | 1. भारत |
| 2. आन्ध्र प्र० | 2. चीन |
| 3. कर्नाटक | 3. थाइलैंड |

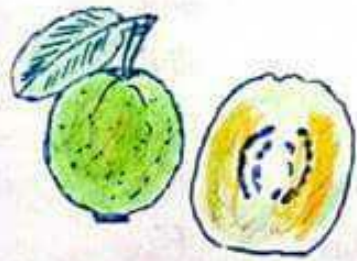


- * राष्ट्रीय फल, फलों का राजा - आम
- * आम का सबसे बड़ा उत्पादक व निर्यातक देश - भारत

अमरुद

- वानस्पतिक नाम - सिडीयम गुवाधावा
- कुल - मिर्चसी उत्पाति स्थान - अमेरिका
- किस्में - इलाहाबादी सफेदा, लखनऊ - 49
- बीज रहित किस्में - सहारनपुर, नागपुर, बेहत, कोको-नट
- नवीनतम किस्म - लालित

- तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश
- | | |
|------------|------------|
| 1. म० प्र० | 1. भारत |
| 2. उ० प्र० | 2. चीन |
| 3. बिहार | 3. थाइलैंड |



- * गरीबों का सेब - अमरुद

पपीता

- वानस्पतिक नाम - केरिका पपाया
- कुल - केरिकेसी उत्पाति स्थान - उष्ण अमेरिका
- किस्में - पूसा तन्हा, वार्शिंगटन, हनी न्यू, पूसा जायष्ट, पूसा मजेस्ती

- तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश
- | | |
|---------------|----------------|
| 1. आन्ध्र | 1. भारत |
| 2. गुजरात | 2. बांधील |
| 3. महाराष्ट्र | 3. इण्डोनेशिया |



सेब

- वानस्पतिक नाम - मैलस व्यूमिला
- कुल - रोडेसी
- उत्पाति स्थान - द०.प० एशिया
- किस्में - अम्बरी, सुनहरी, विनोनी, रेड डेलीशियस
- झूठा फल किसे कहते - सेब को
- Apple Bowl of India - हिमाचल प्रदेश

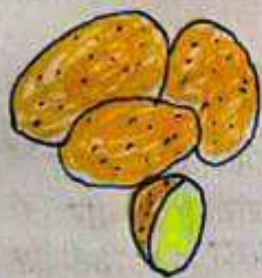
- तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश
- | | |
|----------------|-------------------|
| 1. जम्मूक० | 1. चीन |
| 2. हिमाचल प्र० | 2. सं.रा. अमेरिका |
| 3. उत्तराखण्ड | 3. तुर्की |



साब्जियों से सम्बन्धित -

आलू

तीन प्रमुख उत्पादक राज्या/देश



- जन्मस्थान - पेरू (पुर्तगाली लाए 14वीं शताब्दी में)
- किस्में - कुफरी बादशाह, कुफरी अलंकार, बहार, चन्द्रमुखी
- केन्द्रीय आलू अनुसंधान केन्द्र - शिमला (हि. प्र.)
- रोग - झुलसा, अंगैती अंगमारी, पहेती अंगमारी
- नीलागिरि पहाड़ी क्षेत्रों में किस्में - कुफरी नीलिमा व फ्राइसोना
- उ० प्र० में आलू अनुसंधान केन्द्र - मेरठ में

- | | |
|-------------|---------|
| 1. उ० प्र० | 1. चीन |
| 2. प० बंगाल | 2. भारत |
| 3. बिहार | 3. रूस |

टमाटर

- जन्मस्थान - मैक्सिको
- भारत में प्रयोग - पुर्तगालियों द्वारा हुआ
- किस्में - पूसा शीतल, पूसा H-1, हिसार अरुन, पूसा रुबी, अंगूरलता, अर्का सौरभ, पंजाब धुआरा, अर्का मेघालय
- रोग - इसका कटना बोराँन की कमी से व लीक कर्ल नामक वायरस जनित रोग होता है।
पर्णकुचन

तीन प्रमुख उत्पादक राज्या/देश

- | | |
|------------|------------|
| 1. आन्ध्र | 1. चीन |
| 2. कर्नाटक | 2. भारत |
| 3. म० प्र० | 3. अमेरिका |



कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

फल के उपनाम

- | फल में खाने वाला भाग | फल |
|-----------------------------------|-------------------------|
| ● मध्यफल भित्ति | आम, केला, पपीता |
| ● मांसल पुष्पासन | सेब, नाशपाती, लुकाट |
| ● मांसल स्तर | लीची |
| ● फलभित्ति व छेसेप्ता | अंगूर, अमरुद, टमाटर |
| ● स्त्रोस्पर्म, कौटीलीड्स | नारियल |
| ● रसदार टेस्टा | अनार |
| ● स्त्रोकार्पिक भूसी हेयर | नीबू वर्ग |
| ● परिदल पुंघ (पेरियन्थ) | शहतूत |
| ● बीज | बादाम |
| ● स्त्रोस्पर्म एवं स्त्रोस्त्रियो | चावल, गेहूँ, मक्का, जौ |
| ● बाह्य एवं मध्यफल भित्ति | बेर, जामुन, आंवला, चेरी |

- | | |
|---------------------------|----------|
| ● King Of fruits | आम |
| ● Queen Of fruits | लीची |
| ● Butter fruit | स्वैकेडो |
| ● King of bird fruit | बेर |
| ● Poon mans fruit | बेर |
| ● कल्प वृक्ष | नारियल |
| ● Century Plants | खजूर |
| ● King of forest | टीका |
| ● Adams fig | केला |
| ● Queen of Nuts | Pecanut |
| ● fancy fruit | Andaxin |
| ● King of Nut | Walnut |
| ● King of Temperate fruit | सेब |

By. MOHIT TEJAS

साब्जियों में रंग/कड़वापन का कारण

- मिर्च में चरपराहट केसोसिन
- मूली में तीखापन आइसोसाइनेट
- शलगम में चरपराहट कैल्सियम ऑक्सलेट
- खीरे में कड़वाहट कुकरविटोसिन
- आलू का हरा रंग सेलेनिन
- टमाटर का लाल रंग नाइकोपिन
- व्याध में पीला रंग कौरसिटीन
- व्याध में लाल रंग एन्थोसायनिन
- मिर्च में लाल रंग कैप्सेनथिन
- हल्दी में पीला रंग कुरकुमिन
- गाजर में लाल रंग एन्थोसायनिन
- गाजर में नारंगी रंग कैरोटिन
- अरबी में कनकनाहट कैल्सियम ऑक्सलेट
- तेल का पीला रंग (तिलहन) कैरोटीनाइड्स
- व्याध में गंध एलाइल प्रोपाइल थाइयसल्फाइड
- लोहसुन में गंध एलाइसिन
- करेले में कड़वाहट मेमोर्डिकोसाइट / टेट्रासाइक्लिक ड्राइटरपाइन

विभिन्न फसलों में रोग

- मक्का $\left\{ \begin{array}{l} \text{तुलासीता} \\ \text{पात्तियों का झुलसा} \\ \text{तना सड़न} \end{array} \right.$
- बाजरा $\left\{ \begin{array}{l} \text{अरगत} \\ \text{कन्डुआ} \\ \text{हरित बाल} \end{array} \right.$
- ज्वार \rightarrow कन्डुआ
- मूंगफली \rightarrow टिक्का
- गेहूँ $\left\{ \begin{array}{l} \text{झुलसा} \\ \text{रतुआ/गेरुई} \\ \text{सैडू} \\ \text{अनाबूत कन्डुआ} \end{array} \right.$
- आम $\left\{ \begin{array}{l} \text{गुच्छा रोग} \\ \text{ब्लैक टिप} \\ \text{स्यांजी रोग} \end{array} \right.$
- सेब $\left\{ \begin{array}{l} \text{स्कैब} \\ \text{एकान्तर फलन} \\ \text{समस्या} \end{array} \right.$
- केला \rightarrow पनामारोग
- मटर/मसूर/चना \rightarrow बुकनी रोग
- धान $\left\{ \begin{array}{l} \text{झोंका} \\ \text{खैरा (जस्ते की कमी से)} \\ \text{शीघ्र झुलसा} \end{array} \right.$

फलों में तत्वों की कमी से उत्पन्न रोग

- कटहल का आन्तरिक अटक क्षय
- अंगूर में 'हेन एण्ड चिकेन'
- लीची में पल्ली जलना
- अमरुद में Bjondzing
- नींबू में लिटिल लीक
- नींबू में डाइवैक
- वोरिन (Bo) की कमी से
- वोरिन
- पोटैशियम (K)
- जस्ते (Zn)
- कॉपर (Cu)
- कॉपर (Cu)

By- Mohit Tezzas

अनाधों से सम्बन्धित

चावल

- कुल - ग्रेमिनी
- उत्पत्ति - द. पू. एशिया
- औसत ताप - 24°C औसत वर्षा - 150cm
- किस्में - साकेत, गोविन्द, कावेरी, रतना, जया सरधू, महंसूरी, पूसा-33, बाला, लूनाश्री, अन्नपूर्णा, माही सुगंधा, बरानी दीप, पूसा सुगंधा
- बासमती चावल की शंकर प्रजातियों - पूसा R-H 10, PH 8-11, गंगा, सुरुचि, K-R-H-2, सदाद्रि आदि।
- धान की प्रथम बौनी प्रजाति - जया धान जीन बैंक - फिलीपींस
- रोग - पत्ती का भूरा धब्बा, झांका, रबैरा, शीघ्र सुलसा, जीवाणु सुलसा, टुंगो, उद्वेष्टा,

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|----------------|----------------|
| 1. पंजाब | 1. चीन |
| 2. उ. प्र. | 2. भारत |
| 3. आन्ध्र प्र. | 3. इण्डोनेशिया |

गेहूँ

- कुल - ग्रेमिनी
- औसत ताप - $10-25^{\circ}\text{C}$ औसत वर्षा - 80cm
- किस्में - सोनालिका, अर्धुन, कुंदन, अमर, बरानी, चन्द्रिका, देशरत्न, कंचन, गिरजा गोमती, प्रभाती, कल्याण, सोना, मैकरोनी, राज 3044
- गेहूँ की बौनी प्रजाति - जौरिन-10
- आसिंचित क्षेत्रों के लिए - मैकरोनी गेहूँ

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|------------|--------------------|
| 1. उ. प्र. | 1. चीन |
| 2. पंजाब | 2. भारत |
| 3. म. प्र. | 3. सं. रा. अमेरिका |

अरहर

- ताप - $25-35^{\circ}\text{C}$ औसत वर्षा - $12-100\text{cm}$
- किस्में - बहार, अमर, आषाढ, पारस, मालवीय, चमत्कार
- रोग - उमठा (विल्ट), बन्सा रोग, पीला चित्रवर्ष रोग

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य

- | |
|---------------|
| 1. महाराष्ट्र |
| 2. म. प्र. |
| 3. कर्नाटक |

चना

- जलवायु - उपोष्ण (शुष्क व ठंडा)
- ताप - $15-30^{\circ}\text{C}$ औसत वर्षा - $60-100\text{cm}$
- किस्में - पूसा-226, K-850, सम्राट, पूसा चमत्कार, राधे, विशाल, उदय
- रोग - बुकनी रोग, उमठा

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य

- | |
|---------------|
| 1. म. प्र. |
| 2. राजस्थान |
| 3. महाराष्ट्र |

सौयाबीन

- जलवायु- उपोष्ण
- तापमान- 15-30°C औसत वर्षा- 60-75cm
- तेल - 20-22% प्रोटीन- 40-45%

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|---------------|---------------|
| 1. म०प्र० | 1. अमेरिका |
| 2. महाराष्ट्र | 2. ब्राजील |
| 3. राजस्थान | 3. अर्जेंटीना |

मूका

- जलवायु- उपोष्ण
- ताप- 21-24°C औसत वर्षा- 60-120cm
- किस्में- प्रताप, पूसा अली, संकर-5, दक्कन संकर-115, प्रगति, विवेक, गिरजा, शरधामाषि

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|---------------|------------|
| 1. आन्ध्रा | 1. अमेरिका |
| 2. कर्नाटक | 2. चीन |
| 3. महाराष्ट्र | 3. ब्राजील |

**ज्वार**

- जलवायु- उष्ण कटिबंध
- ताप- 27-32°C औसत वर्षा- 30-100cm
- नवीनतम किस्म- D.S.H-4, 2MB

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|---------------|--------------|
| 1. महाराष्ट्र | 1. नाइजीरिया |
| 2. कर्नाटक | 2. अमेरिका |
| 3. तमिलनाडु | 3. भारत |

बाजरा-

- जलवायु- उष्ण कटिबंध
- ताप- 30-35°C औसत वर्षा- 37-75cm
- किस्में- CHB-557, RHB-127, PB-100

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|-------------|--------------|
| 1. राजस्थान | 1. नाइजीरिया |
| 2. उ०प्र० | 2. भारत |
| 3. गुजरात | 3. नाइजर |

* अनाज में सर्वाधिक खनिज, लवण की मात्रा बाजरे में (2-7%) पाई जाती।

**गन्ना**

- जलवायु- उष्ण कटिबंधीय
- ताप- 21-27°C औसत वर्षा- 100-180cm
- प्रजातियां- CO-1148, 740, 1150, CO510
- रोग- रेड डोट
- भारत में प्रथम चीनी मिल- 1903 में उ०प्र० के देवरिया जिले के प्रतापपुर में

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|---------------|------------|
| 1. उ०प्र० | 1. ब्राजील |
| 2. महाराष्ट्र | 2. भारत |
| 3. कर्नाटक | 3. चीन |

जूट

तीन प्रमुख उत्पादक देश



- जलवायु - उष्णार्द्र
- ताप - 25-30°C औसत वर्षा - 200-250cm
- प्राप्तरेशा - 45-75%
- केन्द्रीय जूट अनुसंधान संस्थान - बेंकपुर (प. बंगाल)

1. भारत
2. बंगला
3. चीन

तम्बाकू

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- जलवायु - उष्णकटिबंधीय
- ताप - 20-28°C औसत वर्षा - 50-100cm
- सर्वाधिक आर्द्र होने वाली - निकोटियाना ग्लोबोसा
- सिगरेट में निकोटिन की मात्रा - 1.0%
- तम्बाकू के बीज में तेल - 35%
- रस्सिका तम्बाकू में निकोटिन - 8.8% - 9.0%

1. आन्ध्र
2. गुजरात
3. कर्नाटक

1. चीन
2. ब्राजील
3. भारत



मूँगफली

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश



- जलवायु - उष्णकटिबंधीय
- वर्षा - 200-250cm
- प्रजातियाँ - विक्रम, चित्रा, चन्द्रा, ज्योति, कौशल, T-54, C4

1. गुजरात
2. राजस्थान
3. तमिलनाडु

1. चीन
2. भारत
3. नाइजीरिया

सूर्यमुखी

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- जलवायु - समशीतोष्ण
- कहां से लाई गई - 1969 में रूस से
- लाइनेलिक अम्ल - 64.0%
- प्रोटीन - 40-45%

1. कर्नाटक
2. आन्ध्र
3. ओडिशा

1. उकेन
2. रूस
3. अर्जेंटीना



सरसों (हिबीधली)

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश



- जलवायु - समशीतोष्ण
- ताप - 15-25°C वर्षा 75-100cm
- तेल की मात्रा - 40-50%
- नई किस्म - CM-3
- किस्में - वरुणा, पूसाबोल्ल, पितावंरी, जयकिसान
- संकर प्रजाति - NRCHB-506, NRCHB-502

1. राज. 1. चीन
2. म.प्र. 2. कनाडा
3. हरियाणा 3. भारत

कपास (सर्केट स्पर्श)

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- जलवायु - समशीतोष्ण
- ताप - 21-27°C वर्षा - 60-110cm
- रुई की मात्रा - 24-43%
- नई किस्म - NH-55, LD-694, प्रतापकापी-1
- अमेरिकन कपास की किस्म - महालक्ष्मी, जयलक्ष्मी, सुधाता, F-414, MCV-56

1. गुजरात
2. महाराष्ट्र
3. आन्ध्र

1. चीन
2. भारत
3. अमेरिका





चाय

- जलवायु - उष्णार्द्र
- ताप - 21-27°C वर्षा - 125-150cm
- पत्तियों चुनने की संख्या व समय - 3-4, अक्टूबर-नवम्बर
- प्रजाति - ग्रीन गौल्ड

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|-------------|-----------|
| 1. असम | 1. चीन |
| 2. पंजाब | 2. भारत |
| 3. तमिलनाडु | 3. केन्या |

कहवा

- जलवायु - उष्णार्द्र
- ताप - 15-18°C वर्षा - 150-250cm
- किस्में - अरेबिका, रोबस्ता
- उत्पत्ति की किस्म - अरेबिका

* नोट - 17वीं शताब्दी में भारत में कहवा फकीर बाबा बदन द्वारा अरब से लाकर कर्नाटक की बदन पहाड़ियों में लगाया गया था।

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|-------------|---------------|
| 1. कर्नाटक | 1. ब्राजील |
| 2. केरल | 2. वियतनाम |
| 3. तमिलनाडु | 3. इंडोनेशिया |



रबर

- जलवायु - उष्णार्द्र
- ताप - 24-35°C वर्षा - 200-250cm
- भारत में शुरुआत - भारत में रबर की खेती की शुरुआत सैलिसबरी ने की।

तीन प्रमुख उत्पादक राज्य/देश

- | | |
|----------|------------|
| केरल | थाइलैंड |
| तमिलनाडु | इंडोनेशिया |
| कर्नाटक | वियतनाम |

फसल, फल एवं सब्जियों के उत्पत्ति स्थल

* गेहूं	उ. प. एशिया	* लाल मिर्च -	ब्राजील	* उड़द	भारत
* ज्वार	अफ्रीका	* मूली	चीन	* मूंगफली	ब्राजील
* चना	उ. प. एशिया	* लौकी	भारत	* कपास	भारत
* चावल	द. प. एशिया	* फूलगोभी	इटली	* आंवला	भारत
* कसौंधी	मिस्र	* पपीता	अमेरिका	* बेर	भारत
* तम्बाकू	मैक्सिको	* लीची	चीन, भारत	* कटहल	भारत
* मसूर	एशिया माइनर	* अमरुद	अमेरिका	* आम	भारत
* जौ	अबीसीनिया	* केला	इण्डो-चाइना	* अंगूर	आर्मीनिया
* मटर	एशिया माइनर	* गन्ना	भारत	* पेंगन	भारत
* आलू	चिली	* भूट	भारत	* सेब	कैस्पियन सागर
* चुकन्दर	यूनान	* तिल	अफ्रीका	* व्याज	एशिया
* मक्का	मैक्सिको	* मूंग	भारत	* कद्दू	अमेरिका
* बाजरा	अफ्रीका	* सोयाबीन	चीन	* शकरंद	अमेरिका
* भिंडी	भारत	* अरहर	भारत	* टमाटर	द. अमेरिका

- मसाला उत्पादक राज्य -

“मसालों का बागान किसे कहा जाता है - केरल

केसर - कश्मीर	धानियां - राज.	लौंग - तमिलनाडु	होरी इलाइची - केरल
मैथी - राजस्थान	हल्दी - आन्ध्रा	जीरा - राजस्थान	काली मिर्च - केरल
लहसुन - म.प्र.	मिर्च - आन्ध्रा	अदरक - असम	

* मसालों का राजा - काली मिर्च * मसालों की रानी - इलाइची * काला सोना - काली मिर्च
 * हरा सोना - अफीम * झूठा सोना पाइराइडस कलों का राजा आम - फलों की रानी - लीची

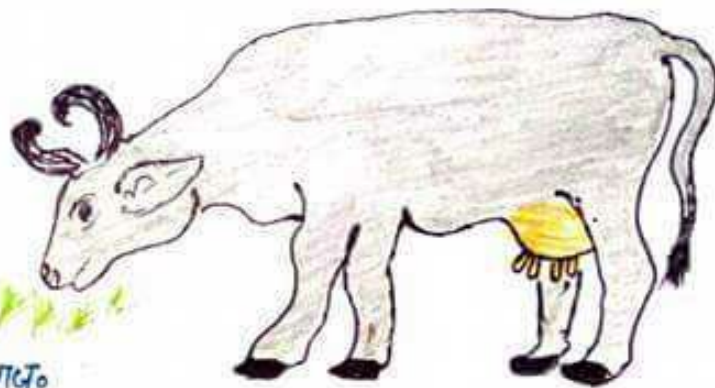
- धाड़मीन सर्वाधिक मात्रा में - काबू
- दलहन का सर्वाधिक उपभोक्ता - भारत
- विश्व में कपास का सर्वाधिक क्षेत्रफल - भारत
- मक्का की पत्तियों के शीर्ष का संकेत होना - 20 की कमी
- लहसुन में विशिष्ट गंध - सल्फर यौगिक
- खाद्य प्रसंस्करण के जनक - निकोलस अपरे
- धान जीन बैंक - फिलीपींस
- मन्त्रीद्वीप चावल अनुसंधान - मनीला
- U.P में के-प्रिय कृषि वि. वि. की स्थापना - ऑर्ली

- * चावल की किस्में - अर्भन, ओसो, बोरो
- * चावल स्रोत हैं - कार्बोहाइड्रेट का (स्टार्च)
- * भारत में मक्का की खेती - पूरे वर्ष होती
- * कपास में सर्वाधिक उत्पादन - गुजरात, महाराष्ट्र, आन्ध्रा
- * गन्ना उत्पादन में प्रथम - U.P
- * गन्ना प्रजनन संस्थान - कोयम्बटूर
- * आम की किचन कसल - आमपाली
- * हरितक्रान्ति शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग - विलियम गैड
- * हरितक्रान्ति का जनक - नार्मन अर्नेस्ट बोर्लाग
- * भारत में हरितक्रान्ति का जनक - म. ड. स्वामीनाथन
- * उ.प्र. कृषि विश्व विद्यालय - 1960 में स्थापित
- * राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड - आनंद (गुजरात)
- * पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक - गोरबपुर, मुजफ्फरनगर, लखनऊ
- * कंचन - भौवला की किचन
- * आम की वीजरहित प्रजाति - सिन्धु
- * भारत के कृषि पारिस्थितिकीय क्षेत्र - 20
- * भारत के कृषि जनवायु क्षेत्र - 15
- * उत्तर के कृषि जनवायु क्षेत्र - 9
- * कोठी वॉर्ड - बंगलुरु
- * चाय वॉर्ड - कोयंबटूर (केरल)
- * रबड़ वॉर्ड - कोलकाता
- * लम्बाई वॉर्ड - गुंटूर (आंध्रा)
- * U.P में सर्वाधिक चना - बुन्देलखण्ड
- * U.P की ककीम कैन्डी - गाजीपुर
- * भलू निर्यातक जोन - आगरा
- * भौवला - प्रतापगढ़ लीची - सहारनपुर, मेरठ
- * भारत में श्वेत क्रांति का जनक - वर्गीज कुरियन



भैंस

- भारतीय भैंस को जल भैंस कहते हैं।
- विदेशी भैंस को दलदली भैंस कहते हैं।
- नस्लें - मुरी, भदावरी, जाकरावादी, मेहसाणा, तराई, सूरती, नागपुरी।
- केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान - हिसार
- विश्व की दूसरी उच्चतम भैंस - गरिमा
- सर्वाधिक भैंस दुग्ध उत्पादक राज्य - उ०प्र०, आन्ध्र, राज०
- सर्वाधिक भैंस दुग्ध उत्पादक देश - भारत, पाक, चीन



बकरी

- बकरी को निर्धन लोगों की कामधेनु कहा जाता है।
- बकरी की ऊन की विश्व प्रसिद्ध प्रधाति पश्मीना (कश्मीर) है।
- अंगोरा नामक ऊन खरगोश से प्राप्त की जाती है।
- तीन शीर्ष राज्य - राज०, उ०प्र०, बिहार देश - चीन, भारत, पाक।
- आकार में सबसे बड़ी बकरी -
- स्विटजरलैंड की सानेन बकरी को विश्व की दुग्ध की रानी कहते हैं।



रेशम

- सर्वप्रथम रेशम का प्रचलन -
- भारत एक मात्र देश है जो 5 किस्मों का उत्पादन करता है - मलवरी, द्राफिकल, टसर, ओरु, इरी मूंगा
- मूंगा रेशम का उत्पादन सिर्फ असम (भारत) में होता।
- कपास एवं धूट का सूत - सेल्युलोज का होता है। जब कि रेशम का धागा प्रोटीन का होता है।
- सर्वाधिक शहतूत रेशम कीट का पालन भारत में किया जाता।
- भारत रेशम उत्पादन में 10% (विश्व में) योगदान



पशुओं से सम्बन्धित अनुसंधान संस्थान

- भारतीय पशु चिकित्सा विज्ञान अनुसंधान संस्थान - इण्डियन नगर (बरेली)
- राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान - करनाल (हरि०)
- राष्ट्रीय मधुमक्खी अनुसंधान संस्थान - पुणे
- राष्ट्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान - मरवदूम (उ०प्र०)
- केन्द्रीय भेड़ एवं ऊँट अनुसंधान " - आम्बिका नगर (राज०)
- राष्ट्रीय याक अनुसंधान संस्थान - डीरांग (अरुणाचल)
- राष्ट्रीय ऊँट अनुसंधान केन्द्र - वीकानेर (राज०)
- राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र - हिसार (हरि०)
- राष्ट्रीय माँस अनुसंधान केन्द्र - इण्डियन नगर (उ०प्र०)
- राष्ट्रीय चमड़ा अनुसंधान केन्द्र - चेन्नई
- केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान - इण्डियन नगर (बरेली)
- केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान - हिसार (हरियाणा)

पशुओं की नस्लें

भैंस	भेड़	बकरी
पुरा	भदरवाह	जमुनापारी
भदावरी	भाकरवाल	वीटल
जाफरावादी	गुरेध	वरवरी
सुरती	नेल्लोरी	गद्दी
मेहसाना	मेरिनो	खोरसानी
नीली	लिकन	बलूची
आदि।	लोही	आदि।
	मारवाड़ी	

पशुओं से सम्बन्धित तथ्य

- विश्व में सर्वाधिक भैंसों की संख्या - भारत
- सघन पशु विकास कार्यक्रम शुरू - तृतीय पंचवर्षीय योजना
- भारत में आपरेशन फ्लड कार्यक्रम (दुग्ध) के जनक - डॉ० बर्गिस कुरियन
- डायर बैंक कहाँ है - उत्तरी सागर
- गाय की नस्ल जो अधिक दुग्ध देती - साहीवाल
- मधुमक्खी की नस्ल - सारेग, भुंगा, खैरा
- भारत की सर्वोत्तम स्वादिष्ट मछली - रोहू
- चींगा मछली का सर्वाधिक उत्पादन - भारत में
- पशुधन संख्या की दृष्टि से प्रथम - भारत
- भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान - तामकुम (राँची)
- दुग्ध के खराब होने का कारण - बैक्टीरिया बैसिलस
- दुग्ध में पाये जाने वाले एन्जाइम - लाइपेज, स्टार्चलेज, लैक्टोज
- दुग्ध और घी का पीला रंग - कैरोटीन
- दुग्ध के सफेद रंग का कारण - कैसीन
- दुग्ध में मीठपन का कारण - लैक्टोज
- भारत में सर्वप्रथम कृत्रिम गर्भाधान - 1942 में इण्डियन नगर (बरेली)
- हरित क्रांति का सर्वाधिक प्रभाव - गेहूँ, चावल
- हरित क्रांति की शुरुआत - 1967-68
- राष्ट्रीय रसदार फल अनुसंधान - नागपुर
- भारत के कुल क्षेत्रफल के भाग पर खेती - 51%
- चरागाह - 4% वन से भरी भूमि - 21%
- वंजर भूमि - 24% गेहूँ की खेती - 15% भाग पर
- भारत आयात करता - पोटेशियम
- भारत धूरिया मामले में आविष्कार - 100%
- कोंकी उत्पादन के लिए प्रसिद्ध - कुर्ग (मीलगिरि)
- भारत प्रथम - आम, चीकू, अदुआ गीबू, केला, नारियल, काली भिन्, अलू, दाली

कसलौ का वर्गीकरण

MOHIT TEZZAS

जीवन चक्र के आधार पर

- एक वर्षी - धान, गेहूँ, मक्का, ज्वार, बाजरा
- द्विवर्षीय - चुकन्दर
- बहुवर्षी - रिजका, नेपियर, घास

आर्थिक महत्व के आधार पर

धान्य - धान, गेहूँ, मक्का जौ, बाजरा आदि।

दलहन - मूँग, उड़द, चना, मसूर, सोयाबीन

तिलहन - सूर्यमुखी, तिल, सरसों, राई आदि।

रेशदार - कपास, जूट, पटसन, सनई

उपयोग के आधार पर

नकदी कसल - आलू, गन्ना, कपास, तम्बाकू

आवरण कसल - अण्डरन से बचने हेतु - मूँग, उड़द

हरी खाद कसल - सनई, टेंचा

प्रमुख क्रांतियाँ

- हरित क्रांति - खाद्यान्न उत्पादन
- खेत क्रांति - दुग्ध उत्पादन
- नीली क्रांति - मत्स्य उत्पादन
- भूरी क्रांति - ऊँकर उत्पादन
- रजत क्रांति - अंडा उत्पादन
- पीली क्रांति - तिलहन उत्पादन
- कृष्ण क्रांति - रायोडीन उत्पादन
- बैंगनी क्रांति - टमाटर/मांस
- गुलाबी क्रांति - शींग उत्पादन

ऋतुओं के आधार पर

● रबी, रबी, जायद

धान	गेहूँ	खरबूज
मक्का	जौ	तरबूज
ज्वार	चना	ककड़ी
बाजरा	मटर	सब्जी
कपास	सरसों	
मूँग/उड़द	मसूर	
सन	आलू	
जूट	अलसी	
अरहर		
तम्बाकू		
सोयाबीन		
कपास		

कृषि के प्रकार

स्थानान्तरित कृषि - जंगलों को काटकर भूमि साफ की जाती है। यह पूर्वोत्तर राज्यों में होती है। इसे श्रम लेती भी कहते हैं।

स्थानवृद्ध कृषि - निश्चित स्थान पर स्थाई रूप से बस कर कृषि की जाती है। (विश्व में सर्वाधिक)

गहन कृषि - अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के उद्देश्य से की जाती है।

मिश्रित कृषि - कृषि कार्यों के साथ पशुपालन भी किया जाता है।

रोपड़ या वागवानी - व्यापक उद्देश्य से की जाने वाली कृषि है। इसमें - सब्जि, कच्चा, कपास आदि।

द्रुक कृषि - सब्जियाँ एवं फल, फूलों की कृषि। इसमें परिवहन के लिए द्रुकों का अधिक उपयोग किया जाता है।

कृषि के विशेष प्रकार

- स्पीकलर - मधुमक्खी पालन से
- सेरीकलर - रेशम उत्पादन से
- मेरीकलर - समुद्री जीवों के उत्पादन से
- हार्टीकलर - फलों के उत्पादन से (बागवानी से)
- आर्बीकलर - वृक्षों एवं झाड़ियों की कृषि (संरक्षण भी शामिल)
- ओलेरीकलर - सब्जियों की कृषि
- पिसीकलर - मत्स्य पालन
- सिस्वीकलर - कौओं के संवर्धन एवं संरक्षण से
- विटीकलर - अण्डर उत्पादन
- वर्मीकलर - कृचुआ पालन
- मोरीकलर - रेशम कीट हेतु शहद की खेती
- ओलिवीकलर - जैतून की कृषि
- स्प्रोपेटिंक - हवा में पोषे अण्डा
- हाइड्रोपोनिक्स - पानी में पोषे अण्डा

- | | | | |
|----------------------------|----------------------|------------------------|------------|
| • भारत का धूर क्षेत्र - | प० बंगाल | • अनाधों की रानी - | मक्का |
| • मसालों का बगीचा - | केरल | • 21 वीं सदी का पैड़ - | नीम |
| • भारत का म्यूरा | गोरखपुर-देवरिया | • प्लहनों का राजा - | चना |
| • विश्व की रोटी की टोकरी - | प्रेयरी | • शुष्क फलों का राजा - | बर |
| • विश्व का कोकी मार्ग - | सैंटास-साओपोलो मार्ग | • वनों का राजा - | टीक |
| • विश्व की कढ़वा मंडी - | साओपोलो | • ईश्वरीय भोजन - | कौकौआ |
| • भारत का भावा - | गोरखपुर-देवरिया | • स्वर्णिम तंतु - | धूर |
| • चावल का कटोरा - | हत्तीसगढ़ | • उजला सोना - | कपास |
| • लौंग का द्वीप - | बंजीबर | • एक पत्ती वाली कल - | गरारी |
| • कढ़वा पात्र - | ब्राजील | • शाकाहारी भोजन - | मशरूम |
| • फलों की ऽलियां - | हिमाचल प्रदेश | • प्लहनों की रानी - | मटर |
| | | • फूलों की रानी - | ग्लेडियोलस |

- समाप्त -

विश्वास वह शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनियां में प्रकाश लाया जा सकता है।

कृषि

By. Mohit Tezzas